भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
22.07.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 635 का उत्तर

कोल्लम् रेलवे स्टेशन का विकास

635. श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का रेलवे विकास कार्यों को नियत समय-सीमा में पूरा करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कोल्लम् रेल स्टेशन के विकास कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है और इसका कितना काम पूरा हो चुका है तथा इसकी भौतिक प्रगति व वित्तीय प्रगति और काम पूरा होने की प्रस्तावित तारीख क्या है;

(ग) क्या सरकार ने कोल्लम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) के विकास कार्यों को पूरा करने के लिए कोई कदम उठाया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने कुंदरा पल्लीमुक्कू में आरओबी बनाने के लिए समयबद्ध रीति से कोई कदम उठाया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने वालाकोड में 'दुर्घटनाप्रवण स्थल' को ध्यान में रखते हुए आरओबी बनाने की अनुमति देने के लिए समय पर कोई कदम उठाया है और यदि हाँ, तो इस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ):

<u>केरलम:</u>

<u>रेल बजट:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	3,795 करोड़ रुपए (10 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:-

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, केरलम में पूर्णतः/अंशतः आने वाली 11,650 करोड़ रु. की लागत से 302 किलोमीटर लंबाई वाली 09 परियोजनाएँ (03 नई लाइन और 06 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	03	148	0	317
दोहरीकरण/ बहुपथन	06	154	40	3,550
कुल	09	302	40	3,867

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:-

केरलम राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली हाल ही में संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल- पालघाट और पोल्लाच्चि-कोयम्बतूर आमान परिवर्तन (217 किलोमीटर)	1,360
2	कोल्लम -तिरूच्चेंदूर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
3	मुलंतुरुत्ती-कुरूप्पनत्तरा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	303

4	चेंगन्नूर-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	436
5	अम्बलप्पुझा-हरिप्पाड दोहरीकरण (18 किलोमीटर)	346
6	कुरूप्पनतरा-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	749

<u>चालू परियोजनाएं:-</u>

केरलम राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली कुछ परियोजनाएं जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिरुन्नावाया - गुरुवायूर नई लाइन (35 किलोमीटर)	144
2	अंगमालि - सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	3,801
3	एरणाकुलम - कुम्बलम दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	808
4	कुम्बलम - तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	1,172
5	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	4,494
6	आलप्पुझा - अंबलप्पुझा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	324
7	तूरवुर - मारारिक्कुलम दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	451
8	मारारिक्कुलम - आलप्पुझा दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	221

केरलम राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरलम राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

केरलम में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	618 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	78 हेक्टेयर (13%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	540 हेक्टेयर (87%)

रेलवे ने केरलम सरकार के पास भूमि अधिग्रहण के लिए 1,976 करोड़ रुपए जमा किए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरलम सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	304	25	279
2.	एरणाकुलम-कुम्बलम कहीं-कहीं दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	4	3	1
3.	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	10	9	1
4.	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरलम सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

<u>स्टेशन पुनर्विकास:</u>

रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कोल्लम रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास के लिए चिह्नित किया है। कोल्लम स्टेशन पर कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

कोल्लम स्टेशन पर सेवा भवन, मल्टी-लेवल कार पार्किंग और पार्सल बिल्डिंग का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, एयर कॉन्कोर्स, नॉर्थ टर्मिनल बिल्डिंग, साउथ टर्मिनल बिल्डिंग और प्लेटफॉर्म के आधुनिकीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों में सुधार करने के

लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/सबवे का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणालियां,
- एयर कॉन्कोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक, 1340 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है जिसमें से कोल्लम सहित 35 स्टेशन केरलम में स्थित हैं। केरलम में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरलम	35	आलप्पुष़ा, अंगादिपुरम, कालडि के लिए अंगमाली, चालकुडी, चेंगनास्सेरी, चेंगन्नूर, चिरायिनकीष, एरणाकुलम, एरणाकुलम टाउन, एट्टूमनूर, फेरोक, गुरुवायूर, कण्णूर, कासरगोड, कायमकुलम जंक्शन, कोल्लम जंक्शन,

		कोझीकोड, कुट्टिपुरम, मवेलीकारा, नेय्याट्टिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टापलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, शोरानूर जंक्शन, थालास्सेरी, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, त्रिशूर, तिरुर, तिरुवल्ला, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडकांचेरी

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैं:</u>

केरलम में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास के कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। केरलम में जिन स्टेशनों पर विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, उनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरलम	16	अंगमालि (कालडि), चालकुडी, चेंगनास्सेरी, चिरायिनकीष, फेरोक, गुरुवायूर, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नीलांबुर रोड, परप्पनंगडी, शोरानूर जंक्शन, तलश्शेरी, तिरूर, त्रिपुनिथुरा, वडाकारा, वडकांचेरी

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। स्टेशन के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात की सम्हलाई आदि के आधार पर क्रियान्वित किया जाता है।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। कोल्लम रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। इस जोन के लिए, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 665 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 398 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया जा चुका है।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेल पटरियों तथा उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी साधनों का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

ऊपरी/निचले सड़क पुल:-

भारतीय रेल में समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों की स्वीकृति एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसे निर्माण कार्यों की प्राथमिकता का निर्धारण और शुरुआत, गाड़ी परिचालन में संरक्षा, रेलगाड़ी की गतिशीलता तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-26 (मई, 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (मई 2026 तक)	14,451 अदद (केरलम राज्य में 131 अदद)

01.06.2026 तक की स्थिति के अनुसार, केरलम राज्य में लगभग 24,786 करोड़ रुपए की लागत पर 145 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों सहित भारतीय रेल पर लगभग 1,17,492 करोड़ रुपए की लागत पर 4,993 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

कोल्लम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में, लगभग ₹390 करोड़ की लागत से 11 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों का निर्माण कार्य चल रहा है, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

मदुरै मंडल के कोल्लम-शेंगोट्टै खंड में एषुकोण-कुंडरा स्टेशनों के बीच किमी 748/1-2 पर समपार संख्या 526 के स्थान पर कुंडरा पल्लीमुक्कू में ऊपरी सड़क पुल का निर्माण साझाकरण के आधार पर ₹37.24 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया था। सामान्य व्यवस्था आरेखण रेलवे द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है और भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।

एडमन-पुनलूर खंड के बीच वलाकोड में किमी 714/900-715/100 पर मौजूदा ऊपरी सड़क पुल संख्या 2134 को चौड़ा करने का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा शुरू किया गया है। सामान्य व्यस्था आरेखण तैयार किया जा रहा है।

ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों का समापन और कमीशनिंग समपार बंद करने की सहमति प्रदान करने में राज्य सरकार से सहयोग, पहुँच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेखण की मंजूरी, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ, जलवायु संबंधी परिस्थितियों के कारण विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र में वर्ष में कार्यावधि आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

****